HINDI EV5000
We Hear From Prophets

हम नबियों से सुनते हैं

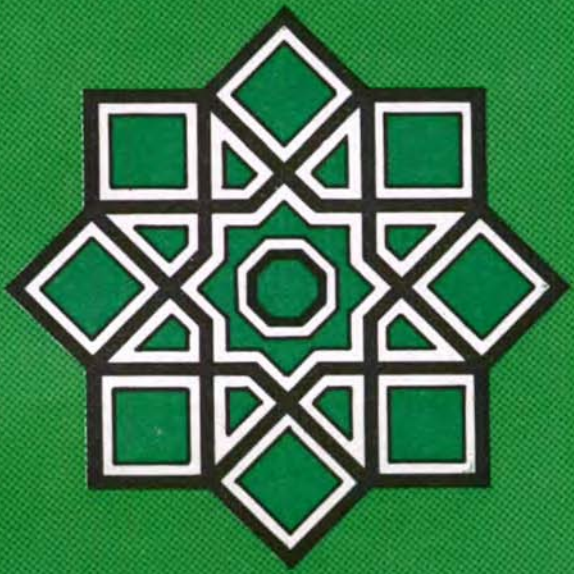

इन्टरनेशनल कारिसपॉन्डेन्स इन्स्टीट्यूट

हम नबियों
से
सुनते हैं

लेखक
डा० बी० सी० डेविस

अनुवादक
डा० विश्वास नाथ "प्रशान्त"

आई० सी० आई० इन्टरनेशनल ऑफिस के
कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से विकसित

निर्देशात्मक विकास विशेषज्ञ
डेविड डी० डन्कन

इन्टरनेशनल कॉरेसपॉन्डेन्स इन्स्टीट्यूट
पोस्ट बॉक्स : 5254
नई दिल्ली–110021

© १९८२ सर्वाधिकार सुरक्षित
इन्टरनेशनल कॉरेसपॉन्डेन्स इन्स्टीट्यूट
ब्रसल्स, बेलजियम

D/1985/2145/39

विषय सूची

आइए, पहले कुछ बात करें..... ५

पाठ

१ नूह—उसने परमेश्वर की आज्ञानुसार किया..... ८

२ इब्राहीम—वह परमेश्वर का मित्र था..... ३१

३ यूसुफ—उसने परमेश्वर का प्रेम दिखाया..... ५२

४ मूसा—उसने परमेश्वर का वचन ग्रहण किया..... ७१

५ दाऊद—उसने पश्चात्ताप किया और क्षमा किया गया... ९२

६ यशायाह—उसने उद्धार की भविष्यद्वाणी की.....११३

७ यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला—उसने सिद्ध बलिदान को प्रमाणित किया.....१३५

८ यीशु—उसने परमेश्वर को मनुष्य पर प्रकट किया.....१५३

विषय सूची

अनुक्रम

८ पृष्ठ—समय व्यतीत हो जाने पर पछताने से क्या लाभ.....१४९

९ पृष्ठ—समय की महिमा.....१५२

१० पृष्ठ—समय का सदुपयोग करना चाहिए—समय ही मनुष्य की सच्ची संपत्ति है.....१५५

११ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में महान् बने.....१५८

१२ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१६१

१३ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१६४

१४ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१६७

१५ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१७०

१६ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१७३

१७ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१७६

१८ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१७९

१९ पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१८२

२० पृष्ठ—समय का सदुपयोग करने वाले ही संसार में सुख पाते हैं.....१८५

आइए, पहले कुछ बातें करें

आपकी अध्ययन पुस्तक के लेखक की ओर से

क्या आपने कभी चाहा है कि अनुभवों के विषय में जानें जो नबियों (भविष्यद्वक्ताओं) को हुए थे? उन्होंने अपने लिए किस प्रकार परमेश्वर की आवश्यक्ता को जाना? किस प्रकार उनकी प्रार्थनाओं के उत्तर प्राप्त हुए? वे किस प्रकार बुलाए गए और उन्होंने परमेश्वर की बुलाहट को पहिचाना तथा समस्त मनुष्य जाति के लिए आशिष लाने हेतु परमेश्वर से मार्गदर्शन प्राप्त किया? जब आप इस पाठ्यक्रम का अध्ययन समाप्त कर चुकेंगे तब आप उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर भलिभांति दे पाएंगे।

आप, नूह, इब्राहीम और मूसा जैसे नबियों के जीवन-वृतान्त का अध्ययन करेंगे। मुझे आशा है कि आप इनके जीवन में पाई जाने वाली सच्चाइयों को खोज निकालेंगे, जिनके द्वारा आपका जीवन भी बदल जाएगा।

आइए, पहले उन बातों की ओर ध्यान दें जो न केवल अध्ययन करने के ढंग के लिए आवश्यक हैं, परन्तु सफलतापूर्वक इस अध्ययन को पूरा करने के लिए भी आवश्यक हैं।

इस पाठ्यक्रम में शिक्षा देने के जिस आधुनिक तरीके का प्रयोग किया गया है, उससे आपको सिद्धांतों को आसानी से सीखने और उन्हें तुरन्त व्यवहार में लाने के लिए उचित सहायता मिलेगी। आइए, इस अध्ययन पुस्तक पर एक दृष्टि डालें।

आपकी अध्ययन पुस्तक

हम नबियों से सुनते हैं, यह एक जेब (पॉकेट) में रखी जाने वाली कार्य पुस्तक है, जिसे आप अपने साथ कहीं भी ले जा सकते हैं, और जब भी आपके पास कुछ समय है तब आप इसका अध्ययन कर सकते हैं।

आप पाएंगे कि प्रत्येक पाठ के आरम्भ में 'उद्देश्य' दिए गए हैं। ये उद्देश्य "यह पाठ आपकी सहायता करेगा···" भाग के अन्तर्गत लिखे गए हैं। इस पुस्तक में "उद्देश्य" शब्द का प्रयोग इसलिए किया गया है जिससे आपको अपने अध्ययन की अपेक्षित और आवश्यक बातें मालूम हो जाएं। एक उद्देश्य, लक्ष्य या अभिप्राय के समान है। यदि आप अपने उद्देश्यों को अपने मन में रखें तो आप उत्तम तरीके से अध्ययन कर सकेंगे।

प्रत्येक पाठ के प्रथम दो पृष्ठों का अध्ययन सावधानीपूर्वक करें। इसके द्वारा आगामी अध्ययन के लिए आपका मन-मस्तिष्क तैयार हो जाता है। तब पाठ के प्रत्येक भाग का क्रमवार अध्ययन करते चलें और **आपके लिए कार्य** के अन्तर्गत दिए गए निर्देशों का पालन करें। यदि अध्ययन के प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए स्थान कम पड़े तो उन्हें एक अलग कॉपी में लिख लें, जिससे कि जब आप पाठ को दोहराएं तो इनका मिलान कर सकें।

जब आप प्रत्येक अध्ययन के प्रश्नों के उत्तर लिख चुकें तो पुस्तक के अन्त में दिए गए उत्तरों से जाँच लें।

प्रत्येक पाठ के अन्त में पाठ की जांच के लिए प्रश्न दिए गए हैं। जो निर्देश दिए गए हैं उन्हें ध्यान से पढें। तब जांच के लिए दिए गए प्रश्नों के उत्तर **विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका** में लिख लें। इस का नाम "विद्यार्थी रिपोर्ट उत्तर पुस्तिका" है।

आपकी, विद्यार्थी रिपोर्ट उत्तर पुस्तिका

इस पुस्तक के साथ आपको विद्यार्थी रिपोर्ट उत्तर पुस्तिका प्रत्येक पाठ के लिए भर कर भेजनी है।

यदि आपने पाठ १ का अध्ययन अलग से पूरा कर लिया है तो आपको उत्तर पुस्तिका भी अलग से ही भरनी होगी। अब, जबकि आपने पाठ १ के उत्तर लिख लिए हैं तो यह पुस्तिका पाठ १ के दोहराए जाने में सहायक होगी।

प्रमाण पत्र

जब आप इस अध्ययन को पूरा कर चुकें तथा **विद्यार्थी रिपोर्ट उत्तर पुस्तिका** में दिए गए कार्य एवं प्रश्नों के उत्तर पूरे कर चुकें तो इसे आई० सी० आई० निर्देशक को भेज दें। इस पुस्तिका की सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी और यह देखा जाएगा कि आपने सफलतापूर्वक अध्ययन पूरा कर लिया है, तब आपको सफलतापूर्वक अध्ययन पूरा कर लेने के उपलक्ष्य में एक सुन्दर प्रमाण पत्र भेज दिया जाएगा।

परमेश्वर आपके अध्ययन करने में आपको आशीष दे।